



# टूरिस्ट बस में आधी रात को अनजान मर्द से चुदी

“स्लीपर बस सेक्स कहानी मेरी चुदाई की है. मैं अपने पति के साथ टूरिस्ट बस में थी। बस के केबिन में मैंने पति से चुदने की सोची। मगर मैं किसी और से ही चुद गई। ...”

**Story By: (simran)**

**Posted: Wednesday, December 8th, 2021**

**Categories: [चुदाई की कहानी](#)**

**Online version: [टूरिस्ट बस में आधी रात को अनजान मर्द से चुदी](#)**

# टूरिस्ट बस में आधी रात को अनजान मर्द से चुदी

स्लीपर बस सेक्स कहानी मेरी चुदाई की है. मैं अपने पति के साथ टूरिस्ट बस में थी। बस के केबिन में मैंने पति से चुदने की सोची। मगर मैं किसी और से ही चुद गई।

आधी रात की यात्रा में स्लीपर बस सेक्स कहानी !  
यह राज़ कुछ ही लोग जानते हैं।

अब आप लोग अपना लंड सहलाने लगेंगे क्योंकि मैं, आपकी सेक्सी सिमरन, आपको मजा देने के लिए वो स्लीपर बस सेक्स कहानी बताने जा रही हूं।

मेरे पति और मैं पास के ही दूसरे स्टेट में एक फैमिली फंक्शन में इन्वाइट किए गए थे। हमें एक्सप्रेस ट्रेन में रिजर्वेशन नहीं मिला, इसलिए हमने एक टूरिस्ट ट्रेवल बस सर्विस बुक की जो मेरे लिए काफी मस्ती भरी साबित हुई।

हम दोपहर में लग्जरी बस में चढ़े और मेरी टाइट सनड्रेस के कारण कुछ यात्रियों ने अपना रिजर्वेशन मेरी ट्रेवल एजेंसी में ट्रांसफर कर दिया !  
दोपहर की तपती धूप ने मुझे पीछे से पसीने से तर कर दिया था जिससे मेरी गांड की गोलाइयों का साफ पता चल रहा था।

मैंने अपनी गांड की दरार से उस ड्रेस को बाहर खींचते हुए ही कई सारे लौड़ों के माल को पिघला दिया था।

केबिन तक पहुँचने के लिए बस के अंदर जाते समय एक आदमी पीछे से लगातार मेरी गांड

पर दबाए जा रहा था।

वो अपनी कामुकता को कंट्रोल नहीं कर पा रहा था।

जब भी मैं उसके लंड के दबाव को रोकने की कोशिश करती तो वह अपने लंड से काफी जोर का धक्का मेरी गांड पर मार देता था।

हर बार जब मैं बस के अंदर आगे चल रही थी तो वो ठरकी आदमी अपने लंड वाले हिस्से को बार बार मेरी गांड की दरार के ऊपर दबा रहा था।

अगर कुछ देर और मैं उसके आगे चलती तो जरूर ही उसके वीर्य के दाग मेरी गांड पर लग जाते।

उसका लंड पूरा सख्त और गर्म हो चुका था जो मुझे मेरी गांड पर महसूस हो रहा था।

मैंने बाहर चलती भीड़ से कुछ प्राइवैसी के लिए बस के अपने केबिन के मोटे पर्दे खींच दिए।

मेरे पति ने अपनी सीट पर लेटे हुए पैर फैलाए और अपना मोबाइल फोन निकाला।

मुझे अपनी पैंटी बदलनी थी क्योंकि पसीने और उसके लंड के बार बार लगने से उठी कामोत्तेजना के कारण मेरी चूत काफी चिपचिपी हो गई थी।

टूरिस्ट बस के आखिर में वॉशरूम था जो मेरे वाले केबिन से चार केबिन दूर था।

मैं उसकी तरफ गई। मेरे पास एक बैग था जिसमें फ्रेश ब्रा-पैंटी और तौलिया के साथ कुछ कपड़े थे।

जैसे ही मैं केबिन की आखिरी लाइन में पहुँची, मैंने उस ठरकी आदमी को दाहिनी ओर देखा।

वह अपने कट शेष के अंडरवियर में था और ऊपर से नंगा था।

उसने मेरी ओर ऐसे देखा जैसे मैं उसकी मसाज करने वाली हूँ जिसने उसे बुलाया है।

मैंने उसके लंड के उभार, उसके बालों वाले पतले शरीर को देखा, और जान गई कि वह सेक्स का भूखा है।

फिर वह आदमी उठा और मेरे पीछे अंडरवियर में केबिन के बाहर आया। इससे पहले कि वह बातचीत शुरू करने की कोशिश करता, मैं वाशरूम के अंदर चली गयी।

वो वाशरूम के पतले दरवाजे के ठीक बाहर खड़ा था।

ये सोच सोचकर मैं नर्वस हो रही थी।

मैंने जल्दी से अपने सनड्रेस और ब्रा पैंटी को उतारा, पेशाब किया और अपनी चूत को धोया।

फिर फ्रेश कपड़े पहन लिए।

जब मैं बाहर निकली तो वह ठरकी आदमी दरवाजे के पास खड़ा था।

जाहिर तौर पर वो मुझे ही सुन रहा था कि मैं अंदर क्या कर रही हूँ।

वाशरूम में अंदर जाने की बजाय वो मेरी बॉडी को घूरने लगा।

मुझे बाहर निकलने के लिए उसे धक्का देना पड़ा और जब मैंने उसे पीछे छोड़ा, तो मुझे अहसास हुआ कि मैंने अपनी पसीने वाली ब्रा और पैंटी को वाशरूम के अंदर छोड़ दिया है।

मैंने उन्हें गंध और नमी के चलते जिप लॉक बैग में रखा था।

वो आदमी वाशरूम के अंदर चला गया था.

और मैं उम्मीद कर रही था कि उसे वो बैग दिखाई नहीं देगा।

जब वह बाहर आया तो उसे हाथ में पैकेट पकड़े हुए देखकर मैं हैरान रह गई।

वह सीधा अपने केबिन के अंदर गया और पर्दों को खींच दिया।

इस बारे में मैंने ज्यादा नहीं सोचने का फैसला किया क्योंकि उस बस में मेरा सफर छोटा था।

मैंने अपने केबिन में एक आराम की झपकी ली और शाम होने पर मेरा मूड काफी अच्छा और खुशनुमा हो गया था।

आरामदायक बस यात्रा, बाहर से अद्भुत नजारे, स्वादिष्ट स्नैक्स ... सभी मेरे मूड को अच्छा कर रहे थे।

वास्तव में, यही कारण था कि मुझे सफर के दौरान हल्का सा नशा सा महसूस होने लगा था।

मैं मस्त सी हो गई थी।

अपने पति को मूड में लाने के लिए मैं उकसाने लगी कि वो मुझे केबिन में ही चोद दे।

उसकी वासना को जगाने के लिए, मैंने अपनी बड़ी टी-शर्ट उतार दी और अपने बड़े स्तनों को उसके सामने नंगे रख दिया!

मैं बोलड अंदाज में आ गयी और माहौल पूरा गर्म करने के लिए मैंने अपनी पैंटी उतार दी।

मेरे पति पहले तो झिझके क्योंकि उन्हें डर था कि कहीं कोई पर्दा खींचकर हमें ये सब करते हुए देख न ले।

फिर मैंने उसे दिखाया कि पर्दे का मोटा सिरा हुक से मजबूती से बंधा हुआ है।

फिर उन्होंने यह भी महसूस किया कि यात्रा करने वाले अन्य कपल भी थे और जब से हम बस में चढ़े थे तब से किसी ने हमें परेशान नहीं किया था।

यह महसूस करने के बाद कि हम सेफ जगह हैं, मेरे पति नंगे हो गए और मुझे अपने नंगे बदन पर खींच लिया।

जैसे ही मैंने उसे होंठों पर चूमा, उसने अपने हाथों को मेरी गांड की गोलाइयों और जाँघों पर कसते हुए फिराना शुरू कर दिया।

उसने मूड में आने के लिए मेरी गांड को थपकाया।

उसकी शरारत को महसूस करके मैं हर थपकी के साथ एक हल्की सिसकारी निकाल रही थी।

फिर मैंने पलटकर उसका लंड अपने मुंह में भर लिया।

69 की पोजीशन में मैंने अपने पति का लंड चूसना शुरू किया और वो मेरी चूत चाटने लगे और मेरी गांड में उंगली करने लगे।

जब बस रुकी तो हम अपने फोरप्ले के चरम पर थे।

घोषणा हुई कि बस डिनर ब्रेक के लिए रुकी है।

जब मैं ऑर्गैज्म तक पहुंचने वाली थी उसी वक्त बस रुक गई थी और मेरा सारा मूड खराब हो गया।

मेरे पति कुछ स्नैक्स और ड्रिंक खरीदने के लिए बाहर गए और मैं अपनी क्लिट को रगड़ते हुए बैठने वाली सीट पर नंगी लेट गई।

मैं अपनी चूत को रगड़ रही थी, इस उम्मीद में कि मेरे पति वापस आएंगे और आते ही मेरी चूत का अधूरा रह गया मजा पूरा करेंगे।

मगर तभी मेरी आंखें एक अनजान आवाज से खुल गईं।

सॉफ्ट अनजानी आवाज- हम दोनों को तुमसे मिलकर खुशी हो रही है, डियर!

मैंने देखा कि वो ठरकी आदमी मेरे नंगे बदन को घूर रहा है और अपने लंड को शॉर्ट्स से खींचकर मुझे अपना तगड़ा इरेक्शन दिखाने के लिए पकड़े हुए है!

उसका काला लंड मोटा था और उसमें बार बार झटके लग रहे थे।

लेकिन इससे पहले कि वह मुझे और अधिक गर्म करने की कोशिश करता, बस के पायदान से आती कदमों की आवाज बताने लगी कि कुछ आदमी जल्दी से बस में वापस लौट रहे हैं।

वो हवसी आदमी यात्रियों को कोसते हुए निराश होकर चला गया।

उसके बड़े काले लंड ने मुझे तब भी जगाए रखा जब बत्तियाँ बुझी हुई थीं।

मेरे पति व्हिस्की की आधी बोतल गटक कर गहरी नींद में थे और मुझे अपनी चूत की गर्म इच्छा को संतुष्ट करने के लिए किसी के कामुक साथ की जरूरत थी।

मैं उस आदमी के लंड के बारे में सोचते हुए चूत को तब तक रगड़ती रही जब तक कि मेरा चरम नहीं आ गया।

आधी रात के करीब का समय था।

लगजरी बसें चिकनी हाईवे सड़कों पर तीर की तरह सीधी आगे बढ़ रही थीं।

मैं अपने नंगे जिस्म को रेशमी कपड़े से ढकते हुए केबिन के बाहर निकल आई।

मैंने देखा कि एक औरत उस हवसी आदमी के केबिन के सामने बेचैन होकर खड़ी है।

वह यह पक्का करने के लिए बाएँ और दाएँ देख रही थी कि उस समय किसी ने उसे देखा तो नहीं।

औरत ने मुझे देखा तो तेजी से वॉशरूम की ओर चल पड़ी और तेजी से अंदर घुस गई।

मैं उस आदमी के केबिन के पास चली गयी और पर्दों से झाँका।

वह झुकी हुई सीट पर आधे खड़े लंड के साथ नंगा बैठा था।

मैं अंदर घुसी और पर्दे के हुक को अच्छी तरह लगा लिया।

वो हवसी आदमी- ओहूह डियर! मैं मस्ती के लिए किसी और का इंतजार कर रहा था। मगर तुम भी बहुत अच्छी हो। अब समझ नहीं रहा कि उस औरत को कैसे इसके बारे में बताऊँ जिसे मैंने डिनर के टाइम पर पटाया था।

वह कन्फ्यूज़ लग रहा था।

तभी मैंने अपने बदन से वो रेशमी कपड़ा हटा दिया और अपना नंगा बदन उसको दिखा दिया।

मेरा नंगा जिस्म दिखाकर मैंने उसे तुरंत फैसला लेने पर मजबूर कर दिया।

यह नजारा देख उसने तुरंत मेरी गांड को पकड़ कर मुझे अपनी ओर खींच लिया और मुझे अपने लंड पर बिठा लिया।

जैसे ही उसने मुझे पकड़ा, चूमा और मेरे रसदार बड़े स्तनों को चूसा ... मैंने उसकी गर्म सांसों को महसूस किया।

उसने अपनी बीच की उंगली मेरी गांड में डाली और मुझे अपने गर्म बदन से सटाकर जोर से भींचा।

वो पहले से ही काफी हवसी था और लग रहा था कि उसने काफी समय से सेक्स नहीं किया है।



उसकी हरकतों ने मेरी चूत को गीली कर दिया था और कुछ मिनटों के लिए मैंने अपना नंगा जिस्म उसे सौंप दिया।

लेकिन फिर उसने मुंह खोलकर गलती कर दी।

अगर वो न बोला होता और मुझे चोदता रहता, तो मैं रात भर के लिए उसकी कुतिया बन जाती!

ठरकी आदमी- मुझे हैरानी है कि मैं एक लेडीजमैन या किसी कुतिया को अपनी ओर खींचने वाली चुंबक हूँ!

यह कहते हुए उसने मेरी गांड पर थप्पड़ मार दिया।

मैंने देखा कि मेरी पैंटी उसकी सीट के बगल में पड़ी है। मैंने उसे उठा लिया, उस आदमी को अपनी बाँहों को उठाने के लिए उकसाया, पैंटी से उसके हाथों को बाँधा और उसकी सीट के पीछे लगा दिया।

वह झुकी हुई कुर्सी पर अब हाथ बांधकर नंगा लेटा हुआ था।

मैं- स्वीटी, तुम रात के लिए मेरे हो, और मेरे पास अपने प्यार के साथ मस्ती करने के कुछ अलग तरीके हैं।

चूँकि मैंने उसके हाथ बाँध दिए थे, वह अब मेरे नंगे शरीर को नहीं छेड़ सकता था।

मैंने उसे चिढ़ाने और उसके तनाव को और बढ़ाने का फैसला किया।

जाहिर तौर पर वो मेरे नंगे बदन को न छू पाने के कारण निराश हो रहा था।

मैं उसकी सीट पर बैठ गयी और उसके लंड पर अपनी गांड रगड़ने लगी।

उसका लंड हर झटके के साथ गर्म और सख्त होता गया और जल्द ही वो अपने चरम पर

पहुंच गया।

वो अपने हाथ छुड़ाने की कोशिश कर रहा था ताकि वो मेरी गांड को पकड़ सके।

मैं- हनी, आज के लिए तुमने काफ़ी मज़ा कर लिया है। तुम बस बैठे रहो और कोशिश करो कि तुम्हारा माल जल्दी ही न निकले।

मैं घूमी और अपनी गांड को ऊपर-नीचे करते हुए उसके चेहरे पर टिका दिया।  
जैसे ही मैंने उसके चेहरे पर गांड लगाई उसने मेरी गांड की दरार में अंदर धकेलने के लिए जीभ निकाली।

मैं- येस ... मेरी गांड को मजा दो। ये तुम्हें पसंद है न? गुड ब्वॉय ... अपनी जीभ थोड़ी और अंदर ले जाओ।

मैंने अपनी गांड की गोलाइयों को नागिन की तरह उसके चेहरे पर चलाया और इससे वो और ज्यादा पागल हो गया।

उसने अपना सिर उठा लिया और कुत्ते की तरह सूँघते हुए अपना चेहरा मेरी गांड पर फेर दिया।

मैं- हां ... ऐसे ही माय डॉग! तुम्हें इस गांड को पाने के लिए कड़ी मेहनत करनी होगी।  
पास आओ! मैं तुम्हारा चेहरा अपनी गांड पर महसूस करना चाहती हूँ।

उसे और ज्यादा तड़पाने के लिए मैंने उसके लंड को जॉयस्टिक की तरह हिलाना शुरू कर दिया।

मुझे अच्छा लगा जब मैंने उसे मेरी गांड पर अपना मुँह फेरने की कोशिश करते देखा।

आदमी- ओह, प्लीज पास आ जाओ। मेरे पेट में दर्द होने लगा है। गाँड ... मैं इस गांड से प्यार करता हूँ!

मैंने देखा कि नीचे रखे उसके सामान से एक शीशी निकली दिखाई दे रही है।

जब मैंने बोतल निकाली तो वह शराब की बोतल निकली।

मैंने शराब के साथ थोड़ी और नाँटी होने का फैसला किया।

जब मैंने बोतल खोली तो वो आदमी खीझ उठा- ओहूह नो ... प्लीज मत करो! यह बहुत महंगी ब्रांडी है। तुम्हें इस बारे में कोई आइडिया नहीं है कि मैंने इसे पाने के लिए कितना खर्च किया है।

मैं- और तुम्हें पता नहीं है कि तुम कितने लकी हो कि तुम मेरी नंगी बाँडी देख पा रहे हो। अब चुप रहो और शराब का मजा लो।

मैंने अपने चूचों पर शराब डाली और देखा कि यह मेरे शरीर पर, मेरी चूत के चारों ओर, और उसके चेहरे पर बूंदों में गिर रही है।

उसने उम्मीद से ज्यादा ही शराब का मजा लिया।

मैंने अपनी पीठ पर भी शराब डाली और अपनी गांड की गोलाइयों से उसके चेहरे पर गिरती शराब की बूंदों को देखा।

आदमी- ओहूह गाँड, ये लाजवाब है। नीचे आओ लेडी, मैं तुम्हारी चूत और गांड का टेस्ट लेना चाहता हूँ।

मैं- ना ना ना!

मैंने उंगली दिखाकर इशारा किया।

फिर मैंने बोली- मुझे अपनी 'मालकिन' कहकर बुलाओ। मुझे दिखाओ कि तुम इस चूत और गांड को कितना चाहते हो।

आदमी- ठीक है, मालकिन ! मेरी प्यारी मालकिन, प्लीज मेरे चेहरे पर गांड टिकाओ और मुझे अपनी रसदार चूत और गांड को चूसने दो। मुझे मौका दो कि मैं आपको एक जबरदस्त ऑर्गाज्म दे सकूँ।

मैं उसके मुँह पर बैठ गयी और बदन पर शराब गिराती रही।

वो तेजी से उसे चूसने चाटने लगा।

मैं उसकी जीभ को अपनी चूत के अंदर गहराई तक ले जाते हुए महसूस कर सकती थी।

मैंने उसके चेहरे पर शराब डालना बंद कर दिया और उसका लंड चूसने के लिए आगे बढ़ी।

एक बार फिर, मैं 69 की पोजीशन में थी।

मगर उसका लंड अब और ज्यादा बड़ा और सख्त लग रहा था।

मैंने उसका टोपा चूसा और सलप-सलप की आवाज करते हुए उसके लंड को चूसने लगी।

वो मेरी चूत के होंठों को पूरा चूसने में लगा हुआ था और अब मैं आनंद में सिसकारने लगी थी।

मेरी चुदास अब मेरे काबू के बाहर हो गयी थी इसलिए मुझे उस लंड को अब चूत में लेना ही पड़ा।

लंड पर कुछ ब्रांडी डालने के बाद, मैं उस पर रिवर्स काउगर्ल पोजीशन में सवारी करने लगी।

मेरी गांड उसके गीले पेट पर उछलते हुए पट-पट की कामुक आवाज कर रही थी और मुझे डर भी था कि कहीं दूसरे पैसेंजर न जाग जाएं।

मैंने पर्दों के बाहर किसी को देखा, लेकिन वास्तव में इसकी परवाह नहीं की।

वो आदमी अपने लंड पर उछालते हुए मेरी गांड का मजा ले रहा था लेकिन उसके हाथों के इस्तेमाल के बिना भी मैं उछलते हुए सेक्स का खुद ही मजा लेने में लगी थी।

कुछ मिनटों तक उसके लंड की सवारी करने के बाद मैं दूसरी पोजीशन में आने के लिए खड़ी हो गई।

फिर से उसके लंड पर बैठने से पहले मैंने उसे हिलाया और उस पर कुछ और ब्रांडी डाल दी।

ब्रांडी की महंगी बोतल खाली थी और उसी के साथ उसके टट्टे भी खाली हो गए।

वो आनंद में सीत्कार उठा और कुछ सेकेंड तक उसके गाढ़े माल की पिचकारियां उसके लंड से बाहर आती रहीं।

माल निकलने के बाद उसका बदन टंडा पड़ गया और वो ढीला हो गया।

मैंने उसके हाथ खोले और देखा कि वो चैन की नींद सो चुका है।

तभी मुझे केबिन में शराब की तेज गंध का अहसास हुआ।

मेरा बदन भी शराब में सना हुआ था और मुझे इसे साफ करना था क्योंकि मैं पति के पास शराब की महक के साथ नहीं जा सकती थी।

मैंने एक तौलिया, एक साबुन निकाला और वाशरूम की ओर दौड़ी।

मुझे हैरानी हुई कि वाशरूम बंद था और इसके अंदर कम से कम दो लोग थे।

मैंने तेजी से धड़कते दिल के साथ कुछ सेकेंड इंतजार किया और देखा कि एक औरत और दो आदमी चुपके से बाहर निकले।

यह वही लेडी थी जिसे मैंने बाथरूम के अंदर जाते देखा था।  
उसके साथ बस कंडक्टर और एक दूसरा आदमी था लेकिन जाहिर तौर पर वो उसका पति नहीं था।

वो मुझे नंगी देखकर और उस शराब की महक सूंघकर चौंक गए।  
मैंने फिर अंदर जाकर अपने शरीर को अच्छी तरह से धोया और उस रात के एडवेंचर को ऐसे ही पीछे छोड़ अपने केबिन में घुस गई।

सुबह मैं और मेरा पति अपनी मंजिल पर पहुंच गए।

यह थी मेरी स्लीपर बस सेक्स कहानी! कभी-कभी मुझे लाइफ में ऐसा ही फटाफट वाला डॉमिनेटिंग सेशन चाहिए होता है।

मैं बेवफा बीवी नहीं हूं, बल्कि रोमांचक औरत हूं।

अगर मेरा कोई पाठक मुझसे संपर्क करना चाहता है और बेहद कामुक आवाज में बातें या कैम चैट करना चाहता है, तो [यहां क्लिक करें](#) और मुझसे बात करें!

## Other stories you may be interested in

### मेरी गांड में अंकल के लंड ने मजा दिया

मोटी गांड की चुदाई कहानी में पढ़ें कि मुझे लंड का चस्का लग गया था. मैं गे साइट में जाकर अपने लिए लंड खोजने लगा. एक अंकल से मेरी बात हुई. दोस्तो नमस्कार. मैं गोरा चिट्टा क्यूट सा लड़का हूँ. [...]

[Full Story >>>](#)

### दोस्त ने मेरी सहमति से मेरी बीवी चोदी- 2

हॉट इंडियन वाइफ कुकोल्ड सेक्स का नजारा मैंने खुद देखा जब मेरी बीवी मेरे दोस्त के ऑफिस में उससे चुदकर मजा ले रही थी. आप भी मजा लें. दोस्तो, मैं आशीष आपके सामने फिर से हाजिर हूँ. मेरी हॉट इंडियन [...]

[Full Story >>>](#)

### दोस्त ने मेरी सहमति से मेरी बीवी चोदी- 1

कुकोल्ड वाइफ सेक्स स्टोरी मेरी बीवी के साथ मेरे दोस्त की चुदाई की है. मेरे दोस्त ने खुद मुझे कहा कि वो मेरी बीवी की चुदाई करना चाहता है. तो मैंने क्या किया ? दोस्तो, मेरा नाम आशीष है. मेरी उम्र [...]

[Full Story >>>](#)

### पड़ोसन चाची की चूत चुदाई का मजा

देसी चाची की चुदाई हिंदी कहानी मेरे पड़ोस में रहने वाली एक महिला की है. मैंने उसके घर एक लड़के को अक्सर आते देखा है. वो उससे चुदाई का मजा लेती थी. दोस्तो, मेरा नाम दक्ष है, मैं हरियाणा का [...]

[Full Story >>>](#)

### टास्क गेम : मर्द के सैलून में नंगी लड़की

कॉलेज गर्ल सेक्स एडवेंचर किया अपनी सहेली की मदद से ! कॉलेज के आखिरी दिनों में दो सहेलियों ने ऐसा क्या खुराफाती टास्क परफॉर्म किया जिसमें सेक्स था ? यह कहानी सुनें. हाय, अन्तर्वासना के प्रिय पाठकों को रसीली रीटा की ओर [...]

[Full Story >>>](#)

